

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 9

कृष्ण-महिमा

रसखान (1933 -1618)

भाग –2

अभ्यासमाला

कीर्ति बसुमतारी

अभ्यासमाला

1.सही विकल्प का चयन करो:

(क) रसखान कैसे कवि थे?

(i) कृष्णभक्त।

(ii) रामभक्त।

(iii) सूफी।

(iv) संत।

(ख) कवि रसखान की प्रामाणिक रचनाओं की संख्या है –

(i) तीन।

(ii) दो।

(iii) चार।

(iv) पाँच।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) पत्थर बनकर कवि रसखान कहाँ रहना चाहते हैं?

(i) हिमालय पर्वत पर।

(ii) गोवर्धन पर्वत पर।

(iii) विंध्य पर्वत पर।

(iv) नीलगिरि पर।

(घ) बालक कृष्ण के हाथ से कौआ क्या लेकर भागा ?

(i) सूखी रोटी।

(ii) दाल-रोटी।

(iii) पावरोटी।

(iv) माखन-रोटी।

2. एक शब्द में उत्तर दो:

(क) रसखान ने किनसे भक्ति की दीक्षा ग्रहण की थी?



2. एक शब्द में उत्तर दो:

(क) रसखान ने किनसे भक्ति की दीक्षा ग्रहण की थी?

उत्तर : गोस्वामी विठ्ठलनाथ जी से।

(ख) ‘प्रेमवाटिका’ के रचयिता कौन हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) 'प्रेमवाटिका' के रचयिता कौन हैं?

उत्तर : रसखान।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) रसखान की काव्य-भाषा क्या है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) रसखान की काव्य-भाषा क्या है?

उत्तर : साहित्यिक ब्रज ।



(घ) आराध्य कृष्ण का वेष धारण करते हुए कवि अधरों पर क्या धारण करना नहीं चहते?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) आराध्य कृष्ण का वेष धारण करते हुए कवि अधरों पर क्या धारण करना नहीं चहते?

उत्तर : कृष्ण की मुरली।

(ङ) किनकी गाय चराकर कवि रसखान सब प्रकार के सुख भुलाना चाहते हैं?



(ङ) किनकी गाय चराकर कवि रसखान सब प्रकार के सुख भुलाना चाहते हैं?

उत्तर : नंद की गाय।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो:

(क) कवि रसखान कैसे इंसान थे ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो:

(क) कवि रसखान कैसे इंसान थे ?

उत्तर : कवि रसखान कोमल हृदयवाले, भावुक प्रकृति के इंसान थे।

(ख) कवि रसखान किस स्थिति में गोपियों के कृष्ण-प्रेम से अभिभूत हुए थे?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) कवि रसखान किस स्थिति में गोपियों के कृष्ण-प्रेम से अभिभूत हुए थे?

उत्तर : कवि रसखान श्रीमद् भगवात का फारसी अनुवाद पढ़कर गोपियों के कृष्ण प्रेम से अभिभूत हुए थे।

(ग) कवि रसखान ने अपनी रचनाओं में किन छंदों का अधिक प्रयोग किया है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि रसखान ने अपनी रचनाओं में किन छंदों का अधिक प्रयोग किया है?

उत्तर : कवि रसखान ने अपनी रचनाओं में दोहा, कवित्त और सवैया छंदों का अधिक प्रयोग किया है।

(घ) मनुष्य के रूप में कवि रसखान कहाँ बसना चाहते हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) मनुष्य के रूप में कवि रसखान कहाँ बसना चाहते हैं?

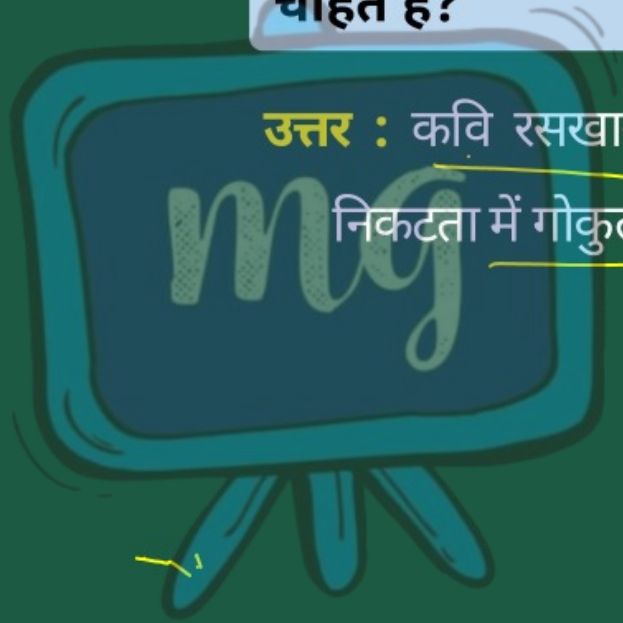

उत्तर : कवि रसखान मनुष्य रूप धारण कर श्रीकृष्ण की निकटता में गोकुल गाँव में बसना चाहते हैं।

(ङ) किन वस्तुओं पर कवि रसखान तीनों लोकों का राज न्योछावर करने को प्रस्तुत हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) किन वस्तुओं पर कवि रसखान तीनों लोकों का राज न्योछावर करने को प्रस्तुत हैं?

उत्तर : रसखान अपने आराध्य श्रीकृष्ण से जुड़े प्रत्येक उपकरण और स्थान-जैसे गोकुल, छड़ी, कंबल, गाय आदि पर तीनों लोकों का राज न्योछावर करने को तैयार हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में):

(क) कवि का नाम 'रसखान' किस प्रकार पूर्णतः सार्थक बन पड़ा है?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में):

(क) कवि का नाम 'रसखान' किस प्रकार पूर्णतः सार्थक बन पड़ा है?

उत्तर : रसखान की कविताओं में, रचनाओं में भक्तिरस, प्रेमरस और काव्यरस की धारा प्रवाहित होती है। अतः उनका नाम पूर्णतः सार्थक बन पड़ा है।

(ख) ‘जो खग हों तो बसेरो करों, मिलि कालिंदी-कुल-कदंब की डारन’ का आशय क्या है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) 'जो खग हों तो बसेरो करों, मिलि कालिंदी-कुल-कदंब की डारन' का आशय क्या है?

उत्तर : इन पंक्तियों का आशय यह है कि यदि कवि चिड़िया के रूप में जन्म लें, तो उनका बसेरा यमुना-तट के कदंब के वृक्षों पर हो, ताकि वे सदैव श्रीकृष्ण के सान्निध्य का आनंद प्राप्त कर सकें।

(ग) 'वा छवि कों रसखानि बिलोकत, वारत काम कलानिधि कोटी' का तात्पर्य बताओ।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) 'वा छवि कों रसखानि बिलोकत, वारत काम कलानिधि कोटी' का तात्पर्य बताओ।

उत्तर : धूल से भरे श्रीकृष्ण का मुख और उस पर सिर की सुंदर चोटी, पांव में छन छन बजते घुंघुरु पहन जब श्रीकृष्ण आंगन में खेलते हैं तब रसखान उस छवि (कृष्ण के रूप) को देखते हैं, तो करोड़ों कामदेव और चंद्रमा भी उस पर बलिहारी हो जाते हैं (यानी कृष्ण की सुंदरता कामदेव और चंद्रमा की सुंदरता से कहीं अधिक है)।

(घ) “भावतो वोहि मेरे ‘रसखानि’, सो तेरे कहे सब स्वांग भरौंगी” का भाव स्पष्ट करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) "भावतो वोहि मेरे 'रसखानि', सो तेरे कहे सब स्वांग भरौंगी" का भाव स्पष्ट करो।

उत्तर : रसखान ने गोपी भाव से व्यक्त किया है कि उन्हें अपने आराध्य के समान वेश धारण करने की गहरी आकांक्षा है। इसलिए वे इन पंक्तियों के माध्यम से व्यक्त करते हैं कि वे वही रूप या वेश धारण करना चाहते हैं, जो उनके आराध्य श्रीकृष्ण को प्रिय लगे।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. संक्षेप में उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

(क) कवि रसखान अपने आराध्य का सान्निध्य किन रूपों में प्राप्त करना चाहते हैं?

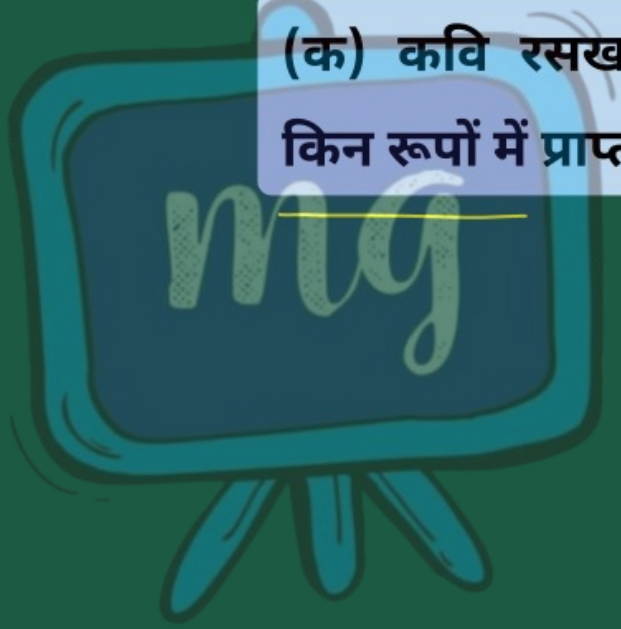

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. संक्षेप में उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

(क) कवि रसखान अपने आराध्य का सान्निध्य किन रूपों में प्राप्त करना चाहते हैं?

उत्तर : कवि रसखान की अभिलाषा है कि वे चाहे मनुष्य, पशु, पत्थर या पक्षी- किसी भी रूप में जन्म लें, पर हर रूप में उन्हें श्रीकृष्ण का सान्निध्य प्राप्त हो। वे ग्वाले बनकर, नंद की गाय बनकर, गोवर्धन का पत्थर बनकर या यमुना-तट के डाल पर रहने वाली पक्षी बनकर अपने आराध्य के निकट रहना चाहते हैं।

(ख) अपने उपास्य से जुड़े किन उपकरणों पर क्या-क्या न्योछावर करने की बात कवि ने की है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) अपने उपास्य से जुड़े किन उपकरणों पर क्या-क्या न्योछावर करने की बात कवि ने की है?

उत्तर : कवि रसखान को अपने उपास्य श्रीकृष्ण तथा उनसे जुड़े प्रत्येक स्थान और वस्तु से अत्यंत प्रेम था। वे कृष्ण की छड़ी, उनकी गाय चराने की जगह, गोकुल, ब्रज, वृंदावन और गोवर्धन पर तीनों लोकों के सुख, सोने-चाँदी के नगर और समस्त ऐश्वर्य तक न्योछावर करने को सदा तैयार रहते थे।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि ने श्रीकष्ण के बाल रूप की माधुरी का वर्णन किस रूप में किया है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि ने श्रीकष्ण के बाल रूप की माधुरी का वर्णन किस रूप में किया है?

उत्तर कवि रसखान ने श्रीकृष्ण के बाल रूप की अत्यंत मनमोहक माधुरी का वर्णन किया है। बचपन में खेलते-खेलते उनका शरीर धूल से लथपथ हो जाता, पीला वस्त्र पहना, सर पर चोटी और हाथ में माखन-रोटी लिए इधर-उधर घूमते। घुंघरुओं की छम-छम ध्वनि में खेलते, हल्की मुस्कान बिखेरते और उनके सिर पर सजी चोटी करोड़ों चंद्रमाओं की सुंदरता को भी फीका कर देती है।

(घ) कवि ने अपने आराध्य की तरह वेश धारण करने की इच्छा व्यक्त करते हुए क्या कहा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) कवि ने अपने आराध्य की तरह वेश धारण करने की इच्छा व्यक्त करते हुए क्या कहा है?

उत्तर : कवि ने अपने आराध्य श्रीकृष्ण की भांति वेश धारण करने की इच्छा व्यक्त की है। वे सिर पर मोर पंख, गले में गूंज की माला, पीला वस्त्र, हाथ में छड़ी लेकर ग्वालिनों संग गाय चराते हुए वही रूप धारण करना चाहते हैं, जो श्रीकृष्ण को भाए, केवल मुरली अपने होठों से नहीं लगाना चाहते।